AS-2040

M.A. (First Semester) Examination, 2013

HISTORY

Paper : MH 1.5 (HISTORY OF EUROPE) (1871 - 1945 A.D.)

Section - 'A'
(खण्ड - अ)

प्रश्न 1 -

(i) डिजरेली (ii) 28 जून 1919 (iii) 28 जुलाई 1914 (iv) आस्ट्रिया (v) 1918 (vi) बल्गेरिया (vii) 1871 (viii) 10 जनवरी 1920 (ix) मैकमहन (x) जिनेवा |

Section 'B' (खण्ड 'ब')

प्रश्न 2 में- सानस्टेफानो की संधि के कारणों में बोस्निया तथा हर्जेगोविना में विद्रोह, रूस व टर्की का युद्ध व दोनों में संधि, संधि की शर्तें, बर्लिन सम्मेलन, बर्लिन संधि की शर्तें, बर्लिन संधि की आलोचना, सम्मान सहित शांति के पक्ष व विपक्ष में तर्क तथा अंत में निष्कर्ष |

प्रश्न 3 में- बिस्मार्क की विदेशनीति के अन्तर्गत - उसके उद्देश्य, तीन सम्राटों की लीग, त्रिगुट तथा आस्ट्रोजर्मन संघ का निर्माण आस्ट्रोजर्मन संघ के कारण, संघ की शर्तें, महत्व व आलोचना तीन सम्राटों का संघ, संधि की धाराएँ, त्रिगुट की स्थापना, रूमानिया तथा बिस्मार्क, रूस व जर्मनी, पुनः आश्वासन संधि, इंग्लैण्ड तथा बिस्मार्क, विदेशनीति की आलोचना |

प्रश्न 4 में- राष्ट्रसंघ की उपयोगिता के अन्तर्गत राष्ट्रसंघ की उपलब्धि, राष्ट्रसंघ की विभिन्न कार्यवाहियाँ जिनमें -

प्रशासन सम्बन्धी कार्य, अधिवेशन, अल्पसंख्यकों का संरक्षण अन्तर्राष्ट्रीय शांति स्थापना का कार्य, मैन्डेट व्यवस्था की स्थापना, आलैंड द्वीपों के विवाद, अल्बानिया सीमा विवाद, इंग्लैण्ड तथा फ्रांस के मध्य झगड़ा, यावोजनो विवाद, लैटेशिया का विवाद, विलना का विवाद, कोर्फू का झगड़ा, चानचाको विवाद, मन्चूरिया का युद्ध आदि मामलों का निपटारा, अंत में राष्ट्रसंघ का मूल्यांकन।

प्रश्न 5 में – प्रथम विश्व युद्ध के प्रभाव के अन्तर्गत - राजनीतिक प्रभाव, राष्ट्रीयता का विकास, लोकतंत्रवाद के विरुद्ध प्रतिक्रिया, यूरोपीय देशों में सैन्य शक्ति में वृद्धि, अन्तर्राष्ट्रीय भावना का विकास, आर्थिक संकट, समाजवाद की भावना का विकास, मजदूर आन्दोलन का आरंभ, वैज्ञानिक प्रगति आदि का विवरण।

प्रश्न 6 में – विलियम द्वितीय की विदेशनीति की आलोचनात्मक व्याख्या के अन्तर्गत - जर्मनी-रूस सम्बन्ध, जर्मनी व इंग्लैण्ड के सम्बन्ध, मोरक्को संकट तथा जर्मनी, प्रथम, द्वितीय, व तृतीय मोरक्को संकट, जर्मनी व टर्की के सम्बन्ध, जर्मनी व फ्रांस के सम्बन्ध तथा अंत में विदेशनीति की समीक्षा।

प्रश्न 7 में – द्वितीय विश्व युद्ध के कारणों के अन्तर्गत - द्वितीय विश्व युद्ध की पृष्ठभूमि, जर्मनी में वर्साय की संधि की प्रतिक्रिया, जर्मनी में उग्रराष्ट्रीयता, हिटलर की विदेशनीति, इटली व जापान का उग्रराष्ट्रवाद और सैनिकवाद, विभिन्न अल्पसंख्यक जातियों का असंतोष, प्रजातंत्रीय तथा एकतंत्रीय विचारधाराओं

P.T.O

में संघर्ष, ब्रिटेन तथा फ्रांस के दृष्टिकोणों में अन्तर, आर्थिक संकट, राष्ट्रसंघ की असफलता, मोर्चाबंदी, द्वितीय विश्व युद्ध के तात्कालीन कारण आदि।

प्रश्न 8 में – मुसोलनी की गृहनीति के अन्तर्गत – आर्थिक व्यवस्था में सुधार, बैंकों तथा विदेशी व्यापार पर राज्य का नियंत्रण, वर्ग संघर्ष तथा श्रेणी संघर्ष का अंत, मजदूरों की स्थिति सुधारने का प्रयास, उत्पादन में वृद्धि, कृषि में उन्नति, यातायात के साधनों में उन्नति, बेकारी की समस्या का समाधान, शिक्षा सम्बन्धी सुधार, पोप से समझौता अंत में गृहनीति का मूल्यांकन।

डॉ. महेश शुक्ल
सहा. प्राध्यापक (इतिहास)
गु. घा. वि. वि. बिलासपुर